साहित्य अकादमी द्वारा साहित्यिक मंच कार्यक्रम का आयोजन

चार लेखकों ने पेश की अपनी रचनाएं

नई दिल्ली, 8 मई (मिसरदीप भाटिया): साहित्य अकादमी द्वारा करवाए गए साहित्यिक मंच कार्यक्रम में चार लेखकों ने अपनी रचनाएं पेश कीं। यह लेखक थे। संग्राम मिश्र (ओड़िया), रतनोतमा दास (असामी) रीता मल्होत्रा (अंग्रेज़ी) व राजिंद्र बियाला (पंजाबी)। संग्राम मिश्रा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। सबसे पहले रतनोतमा दास ने अपनी असामी कहानी 'रई जावा घड़ी' का अंग्रेज़ी अनुवाद 'दि वाच आन हर रिस्ट' सुनाया, जोकि एक डाक्टर के मनोविज्ञान पर आधारित था। एक छोटी लड़की की दुर्घटना के साथ वह कैसे दु:खी होता है, इसको बरीकी से कहानी में पेश किया गया था। रीटा मल्होत्रा ने अपनी चार कविताएं सुनाईं, जिनके सिरलेख थे- 'जुगलबंदी' 'लीला इज सिक्सटीन' 'दि सोल डिस्कवर्ज़ इटस इटरनिटी' और 'टूवार्डज़ इन्फिनिटी'। उनकी कविताओं में वर्तमान समाज की विसंगतियों के साथ-साथ प्राकृतिक का भी सुंदर चित्रण था। राजिंद्र बियाला ने अपनी तीन कविताएं पेश कीं, जिनके सिरलेख थे-'कतरा कतरा' 'प्रेम दी पहली कविता', 'मैं क्यों लिखता हूं'। अंत में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संग्राम मिश्रा ने सभी लेखकों की पेशकारी पर संक्षेप में टिप्पणियां कीं और अपनी दो कविताएं पेश कीं। उन्होंने ओड़िया भाषा में भी कविता पेश की। कार्यक्रम का संचालन अकादमी के उप सचिव देवेंद्र कुमार देवेश ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न भाषाओं के प्रसिद्ध कवि व लेखकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में लेखक अपनी रचनाएं पेश करते हुए।